क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 347, गुरुवार, 17 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शोपियां में तीन दिन की हड़ताल के बाद जनजीवन सामान्य

श्रीनगर। जम्मू- कश्मीर के शोपियां में तीन दिन की हड़ताल के बाद बुधवार को स्थिति सामान्य हो गयी। कुलगाम में शनिवार शाम सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन अल-बद्र के कमांडर जीनत-उल-इस्लाम समेत दो दहशतगर्दों के मारे जाने के बाद शोपियां में बंद का आह्वान किया गया था। पुलिस के निर्देश पर अनंतनाग के के.पी. रोड स्थित कोड्क्षचग केंद्र आज भी बंद रखे गये हैं हालांकि, कुलगाम में दो दिन से जारी हड़ताल के बाद मंगलवार को हालात सामान्य हो गये थे। शोपियां में तीन दिन बाद आज दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले। सभी रास्तों पर यातायात भी सामान्य है। सरकारी दफ्तरों और बैंकों में भी काम हो रहा है। अनंतनाग में छात्रों ने कहा,'हमें प्रबंधन ने कहा था कि आज कोचिंग केंद्र बंद रहेंगे।'व्यस्त के.पी. रोड पर कानून और व्यवस्था की समस्या के कारण पुलिस ने कोचिंग केंद्रों के प्रबंधन को इन केंद्रों को कहीं और ले जाने के लिये कहा है। छात्रों ने हालांकि बताया कि अनंतनाग के उपायुक्त ने कोचिंग केंद्रों को मौजूदा जगह ही चलाने के लिए कहा है। जिले में अन्य जगह भी ट्यूशन और कोचिंग केंद्रों में सामान्य रूप से पढ़ाई जारी है।

कार्ति चिदंबरम की जल्द सुनवाई की याचिका पर उच्चतम न्यायालय बोला, हमारे पास और भी काम हैं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम की विदेश यात्रा की अनुमति संबंधी याचिका पर त्वरित सुनवाई से बुधवार को इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने यह कहते हुए त्वरित सुनवाई का अनुरोध ठुकरा दिया कि उसके पास और भी महत्वपूर्ण मामले हैं। जब कार्ति की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के वी विश्वनाथन ने खंडपीठ के समक्ष मामले का विशेष उल्लेख किया, तो न्यायमूर्ति गोगोई ने कहा, ''आप कार्ति चिदंबरम की बात कर रहे हैं? उन्हें वहीं रहने दीजिए जहां वह हैं। हमारे पास और भी महत्वपूर्ण कार्य हैं।'' मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि खंडपीठ की रुचि कार्ति के अनुरोध पर विचार करने में नहीं है। उन्होंने कहा, ''कारण सहित याचिका दायर करें। अभी साढ़े दस बजे हैं, और आपकी बारी नहीं आई है।'' गौरतलब है कि कार्ति ने विदेश जाने की अनुमति संबंधी याचिका गत वर्ष नवंबर में ही दायर की थी, लेकिन उन्हें विदेश जाने की अनुमति अभी नहीं मिली है। वह एयरसेल-मैक्सिस सौदा मामले में आरोपी हैं और इसमें सीबीआई एवं प्रवर्तन निदेशालय की जांच जारी है।

एसओजी ने एनआईए को नहीं सौंपे नौ गिरफ्तार आरोपी : पुलिस

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को उन रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें कहा गया है कि राज्य पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने जिन नौ लोगों को गिरतार किया था, उन्हें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार को मीडिया में आयीं वो खबरें सही नहीं हैं जिनमें कहा गया है कि श्रीनगर एसओजी ने गिरफ्तार किये नौ लोगों को एनआईए को सौंप दिया है। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि कोठी बाग थाने में संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने बताया कि इस मामले को बाद में एनआईए ने लिया और सभी गिरफ्तार लोग फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। मीडिया रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से गलत है और वह इन रिपोर्ट का खंडन करते हैं।

एक और बुराड़ी कांडः आत्मा बुलाने के चक्कर में गई 14 साल की लड़की की जान

नेशनल डेस्क। देश की राजधानी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत को जहां आज भी लोग भुला नहीं पाए हैं। वहीं इसी बीच एक और ऐसी घटना सामने आई है। मुंबई में भी एक 14 साल की लड़की ने आत्मा बुलाने के चक्के कर में खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार मुंबई के भोईवाड़ा इलाके की रहले वाल लड़की यूट्यूब पर के वीडियो देखती थी। उसके फोन से कुछ ऐसे वीडियो भी मिले हैं जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह आते मा को बुलाने के संबंध में कुछ कोशिशें कर रही थी। इससे पहले भी लड़की ने यह करने का प्रयास किया था। उसने अचानक जमीन पर लेटकर अपनी सांसे रोक ली। जब उसके घरवालों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने कहा कि वह उसकी आते मा शरीर से बाहर आई थी, वह मरकर जिंदा हो जाती। मृतका की दादी ने बताया कि वो हमेशा फोन पर शरीर से आत्मा को बाहर निकलने जैसे वीडियो देखा करती थी। घटना के दिन उसने बाथरुम में फांसी लगा ली। उसे उम्मीद थी कि उसकी आते मा से वर्ग से दर्शन करके वापस उसे जिंदा कर देगी। मुंबई पुलिस ने एडीआर दर्ज कर इस मामले में अपनी जांच शुरू कर दी है।

पांच राज्यों को झटका, उच्चतम न्यायालय ने डीजीपी की नियुक्ति में बदलाव करने से किया इंकार

नेशनल डेस्क। उच्चतम न्यायालय ने पुलिस महानिदेशकों के चयन एवं उनकी नियुक्ति के संबंध में अपने पिछले साल के आदेश में बदलाव की मांग करने वाली पांच राज्यों की याचिकाएं खारिज कर दीं। शीर्ष अदालत पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार सरकार की ओर से डीजीपी के चयन एवं नियुक्ति के संबंध में स्थानीय कानून लागू करने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि डीजीपी की नियुक्तियों के संबंध में पिछले निर्देश पुलिस अधिकारियों को राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाने के लिए जनहित में जारी किये गये थे। सर्वोच्च अदालत ने पिछले साल 12 दिसंबर को पंजाब और हरियाणा के पुलिस महानिदेशकों का कार्यकाल 31 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया था। साथ ही न्यायालय पुलिस प्रमुख के चयन तथा नियुक्ति के बारे में राज्यों के अपने कानून लागू करने के अनुरोध पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक सुरेश अरोड़ा और हरियाणा के पुलिस प्रमुख बी एस संधू को पिछले साल 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होना था परंतु अब वे शीर्ष अदालत के आदेश के अनुसार 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होंगे।

अन्ना हजारे का मोदी को खत, सरकार पर लगाया 'हुकूमतंत्र' का आरोप

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

गांधीवादी समाजसेवी अन्ना हजारे ने मौजूदा मोदी सरकार पर संस्थानों को समाप्त कर देश को 'हुकुमतंत्र' की तरफ ले जाने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने लोकपाल गठन की मांग को लेकर 30 जनवरी से एक बार फिर अनशन करने की चेतावनी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में अन्ना ने कहा कि उनकी सरकार सर्वोच्च न्यायालय जैसी संवैधानिक संस्थान, लोकसभा और राज्यसभा जैसी संवैधानिक संस्थानों के निर्णयों का पालन नही करती है और देश को ''लोकतंत्र से हुकुमतंत्र के तरफ'' ले जा रही है। अन्ना ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि आप और आपकी सरकार महात्मा गांधीजी, सरदार वल्लभभाई पटेल को मानती है, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में जिस सत्य को संभाला उस सत्य को छोडकर चल रही है। आपकी सरकार द्वारा देशवासियों के साथ धोखाधड़ी हो रही है। इस कारण मैं 30 जनवरी 2019 को मेरे गाँव रालेगणसिद्धी में अनशन कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि लोकपाल और लोकायुक्त जैसे महत्त्वपूर्ण कानून पर अमल नहीं होना और सरकार का बार-बार झूठ बोलना वह बरदास्त नहीं कर सकते। इसलिए, उन्होंने महात्मा गांधी की पुण्य तिथि से अनशन का निर्णय लिया है। माजसेवी ने कहा कि हमारे देश में संविधान सबसे ऊपर है। देश को लोकतांत्रिक मार्ग से चलाने के लिए संविधान के आधार पर संसद के रूप में अलग-अलग संवैधानिक संस्थान बनाये गये हैं। सरकार किसी भी पार्टी की हो, देश को लोकतांत्रिक मार्ग से चलाने के लिए संवैधानिक संस्थानों के निर्णय का पालन करना बहुत ही महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और सरकार संवैधानिक संस्थानों के निर्णयों का पालन नहीं कर रहीं है। देश के लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है उल्लेखनीय है कि अन्ना ने लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर अगस्त 2011 में बड़ा आंदोलन किया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2013 को उन्होंने रालेगणसिद्धी में आंदोलन किया जिसके दबाव में दिसंबर 2013 में राज्यसभा में और 18 दिसंबर 2013 को लोकसभा में लोकपाल-लोकायुक्त विधेयक पारित हो गया। उस पर 1 जनवरी को राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही यह कानून बन गया।

अन्ना ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के करीब पांच साल बाद भी मोदी सरकार ने लोकपाल और लोकायुक्त बनाने के लिए कोई काम नहीं किया।

अलग-अलग बहाने बनाकर वह इस कानून के अमल को टालती रही। यह देश के लिए बहुत दुखद बात है।

नेशनल हेराल्ड केस- एजेएल की अर्जी पर 28 जनवरी को सुनवाई करेगी दिल्ली हाईकोर्ट

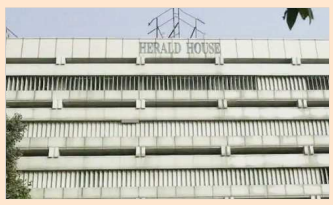

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह नेशनल हेराल्ड अखबार के प्रकाशक एसोसिएटिड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की अपील पर 28 जनवरी को सुनवाई करेगी जिसमें यहां स्थित उसके परिसर को खाली करने के एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश राजेंद्र मेनन की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का हवाला दिया और पूछा कि क्या मामले में किसी और दिन सुनवाई हो सकती है। केंद्र की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता और एजेएल की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इस बात पर सहमति जताई कि मामले में किसी और दिन सुनवाई की जाए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें एक सर्जरी करानी है और 24 जनवरी के बाद किसी भी दिन मामले को ले सकते हैं। पीठ में न्यायमूर्ति वी.के. राव भी शामिल हैं। पीठ ने याचिका को 28 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। एक एकल पीठ ने 21 दिसंबर को एजेएल की उस अर्जी को खारिज कर दिया था जिसमें उसके परिसर को खाली करने के लिए केंद्र के आदेश को चुनौती दी गयी थी। जिसमें उसके परिसर को खाली करने के लिए केंद्र के आदेश को चुनौती दी गयी थी। अदालत ने उसे दो सप्ताह के भीतर दिल्ली के आईटीओ स्थित इमारत को भी खाली करने को कहा था।

जम्मू-कश्मीर में हिमपात के कारण फंसे लोगों

बर्फबारी में फंसे लोगों ने किया प्रदर्शन, सस्ती हेलिकॉप्टर सेवा की मांग

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में हिमपात के कारण फंसे लोगों ने हेलिकॉप्टर के जरिये निकालने की मांग को लेकर बुधवार को कुपवाड़ा में प्रदर्शन किया। हिमपात और सड़कों पर कई फुट बर्फ जमने के कारण दूर दराज और नियंत्रण रेखा के निकटवर्ती क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए है। इन लोगों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट गया है। तीन तरफ से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से घिरे गुरेज और अन्य गांवों का राजदान दर्रे में तीन फुट बर्फ जमने के कारण बांदीपुरा जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। दूर दराज क्षेत्रों माचिल, केरन, कारनाह और अन्य गांवों का भी पिछले सात दिनों से कुपवाड़ा जिला मुख्यालय से संपर्क नहीं हो पा रहा है । कुपवाड़ा में फंसे लोगों ने प्रदर्शन कर जिला मुख्यालय से तुरंत बर्फ हटाने की मांग की है। कारनाह में फंसे यात्रियों ने कहा कि यहां बर्फ हटाने का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है और मौसम विभाग ने यहां आज से फिर से हिमपात होने का अनुमान लगाया है। यात्रियों में से एक अब्दुल राशिद ने आरोप लगाया कि कारनाह के रहने वाले 150 से ज्यादा लोग कुपवाड़ा में फंसे हुए हैं। इन लोगों के पास होटल में ठहरने के लिए पैसे नहीं बचे हैं। इनमें से कुछ लोग मस्जिदों में ठहरे हुए हैं और अन्य ने पैसा उधार लिया है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि सडकों को तुरंत खोलने के अलावा सर्दी के मौसम के दौरान सस्ती दरों पर हेलिकॉप्टर सेवा मुहैया कराई जाए। प्रशासन का कहना है कि सडक़ों से बर्फ हटाने

का काम पहले से ही चल रहा है लेकिन सडक़ें दोबारा खुलने की उम्मीद बहुत कम है क्योंकि सडक़ों पर कई फुट बर्फ जमी हुई है। आज से अगले तीन दिन तक हिमपात का अनुमान जताया गया है और हिमस्खलन की चेतावनी दी गयी है। पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि मचिल, केरन, कारनाह और तंगधार में सडक़ें गुरुवार रात को हुए भारी हिमपात के बाद से बंद हैं। हिमपात के दूर दराज क्षेत्रों को जिला और तहसील मुख्यालयों से संपर्क कट गया है।

हिमपात के कारण सीमावर्ती गुरेज के अलावा नीरु और कई अन्य गांवों का भी शुक्रवार से ही बांदीपुरा जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा हुआ है। इस सप्ताह यहां और हिमपात होने का अनुमान जताया गया है।

आरएसएस के पूर्व प्रमुख बोले, बीमार पार्रिकर को छोड़ देनी चाहिए मुख्यमंत्री की कुर्सी

पणजी (एजेंसी)।

गोवा आरएसएस के पूर्व प्रमुख सुभाष वेलिंगकर ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर पार्रिकर को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गोवा भाजपा को एक दफा लगता था कि पार्रिकर जैसे 'करिश्माई' नेता को देश का प्रधानमंत्री बनना चाहिए। पार्रिकर के एक समय बड़े समर्थक रहे वेलिंगकर भाजपा नेतृत्व वाली राज्य सरकार के अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को अनुदान देने के फैसले के बाद उनसे खफा हो गए थे। 2016 में उन्होंने अपनी पार्टी 'गोवा सुरक्षा मंच' (जीएसएम) का गठन किया था। वेलिंगकर ने कहा कि अगर मैं इन परिस्थितियों में उनके साथ होता, तो मैं उन्हें सेवानिवृत होने की सलाह देता। स्वास्थ्य सबसे पहले है। अग्नाशय की बीमारी से जूझ रहे पार्रिकर (63) अपने निजी आवास पर स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। वेलिंगकर ने कहा कि गोवा के लिए उनका स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। पिंरकर एक करिश्माई नेता है, वह एक अच्छे नेता हैं।'' उन्होंने कहा कि हमें लगता था कि उन्हें केन्द्र में होना चाहिए। गोवा उनके लिए छोटी जगह है। हम चाहते थे कि वह संसद जाएं। वह उनके लिए सही स्थान है।

यह हमारी राय है। लेकिन उनकी इसमें रुचि नहीं थी...यह 2006-2008 की बात है।

आलोक वर्मा पर लगा अजित डोभाल के फोन टैप कराने का आरोप, दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली।

सीबीआई निदेशक के पद से हटाए गए आलोक वर्मा के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शिकायत हुई है कि पोस्ट पर रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की कथित अवैध फोन टैपिंग करवाई था। सार्थक चतुर्वेदी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया कि सीबीआई के कुछ अधिकारियों ने फोन टैपिंग एवं सर्विलांस पर मौजूदा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। इसमें सवाल पूछा गया कि क्या सीबीआई ने डोभाल एवं अन्य की फोन टैपिंग के लिए अनुमति ली थी। इस याचिका में अवैध फोन टैपिंग की जांच के लिए एसआईटी के गठन की मांग की गई है।मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने डोभाल की कथित अवैध फोन टैपिंग की जांच के लिए एसआईटी के गठन संबंधी याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन एवं न्यायमूर्ति वी.के. राव की पीठ ने एजेंसी को भी नोटिस जारी किया और उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें दलील दी गई कि ऐसी गतिविधियां देश के लिए बहुत खतरनाक हैं। याचिकाकर्त्ता ने अपनी याचिक में यह भी कहा कि इस मामले का सीबीआई विवाद और झगड़े से कोई लेना-देना नहीं है। इस मामले की अगली सुनवाई 26 मार्च को होगी। याचिक में कहा गया डोभाल के अलावा रॉ के विशेष सचिव और विधि सचिव के फोन पर भी नजर रखी गई।

राजस्थान

सीपी जोशी बने नए विधानसभा अध्यक्ष, कहा- सदन में नहीं होगी संवादहीनता

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

राजस्थान में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं नाथद्वारा से विधायक डा सी पी जोशी आज सर्वसम्मति से पन्द्रहवीं विधानसभा के अध्यक्ष चुने गये। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उनके नाम का प्रस्ताव पेश किया। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने प्रस्ताव का अनुमोदन किया। इसके बाद उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजेंद्र राठौड़, महादेव सिंह खंडेला, बलवान पूनियां, कांति प्रसाद एवं राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने भी एक-एक करके प्रस्ताव रखे। इनका अनुमोदन पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी, विधायक आलोक बेनीवाल, बाबू लाल नागर, गिरधारी लाल और हनुमान बेनीवाल ने किया। इसके बाद जोशी सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन लिये गये। उनके अध्यक्ष बनने के बाद गहलोत ने उनको बधाई देते हुए कहा कि सदन से आपका रिश्ता 38 साल पुराना है। सभी पार्टियों ने आपके नाम का प्रस्ताव किया है। लिहाजा विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर जिम्मे और भी बढ़ जाती है। जोशी नाथद्वारा से पांचवीं बार विधायक चुने गये हैं। वह 2008 में विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक वोट से चुनाव हार गए थे। बाद में 2009 लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करके मनमोहन सरकार में मंत्री बने। अध्यक्ष का पद ग्रहण

करने के बाद जोशी ने नये विधायकों के प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि नये सदस्य जितने ज्यादा प्रशिक्षित होंगे, सदन उतने ही प्रभावशाली तरीके से चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह सदन के पहले सत्र के बाद इस बारे में चर्चा करेंगे और यदि आवश्यक होगा तो नये सदस्यों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम तय किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जितना ज्यादा सदन चलेगा उतना ही अधिक जनसमस्याओं का निराकरण हो सकेगा। जोशी ने उम्मीद जताई कि उनके कार्यकाल में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवादहीनता जैसी कोई स्थिति पैदा नहीं होगी।

छत्रपति हत्या मामलाः वीसी से सुनाई जाएगी राम रहीम को सजा

पंचकूला। सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्या मामले में सीबीआई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को बड़ी राहत प्रदान की है। कोर्ट ने हरियाणा सरकार की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा है कि छत्रपति हत्या मामले में मुख्यारोपी गुरमीत राम रहीम व कृष्ण लाल, निर्मल सिंह और कुलदीप सिंह को वीसी (वीडियो कांफ्रेंसिंग) के जरिए ही सजा का ऐलान किया जाएगा। कोर्ट के इस फैसले से हरियाणा सरकार को बड़ी राहत मिली है। हरियाणा सरकार की ओर से डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी द्वारा लगाई गई याचिका को हरियाणा की विशेष सीबीआई कोर्ट ने मंजूर किया। मामले की संवेदनशीलता व प्रदेश में सुरक्षा व कानून व्यवस्था का हवाला दिया गया था। बता दें कि बीती 11 जनवरी को पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्या मामले में सीबीआई कोर्ट ने मुख्यारोपी गुरमीत राम रहीम सहित चार आरोपियों को दोषी करार दिया था। आरोपियों को 17 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। 11 जनवरी को हुई पेशी में राम रहीम को वीसी से ही फैसला सुनाया था। उल्लेखनीय है कि डेरा प्रमुख राम रहीम साध्वी यौन शोषण मामले में सुनारिया जेल में पहले से ही उम्रकैद की सजा काट रहा है।

संपादकीय

इस ढांचे में समाज हित का निर्णय

अनारक्षित समूहों में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए दिया गया आरक्षण देर से उठाया गया सामाजिक न्याय के अधूरे कार्य को पूरा करना है। सामाजिक न्याय की अवधारणा में हर वह व्यक्ति शामिल है जो किसी तरह वंचित और कमजोर है। निश्चित रूप से मोदी सरकार के इस फैसले को देशहित में स्वीकार कर इसका स्वागत किया जाएगा, लेकिन आरक्षण खत्म कर एकरूपता पर भी काम करना होगा।

ऐसी कोई सरकार नहीं होगी जो बड़ा निर्णय करने के पूर्व उसके राजनीतिक लाभ-हानि पर विचार नहीं करेगी। नरेंद्र मोदी सरकार ने यदि अनारक्षित जातियों को आर्थिक गरीबी के आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है तो इसके राजनीतिक लाभ-हानि का आकलन किया ही होगा। चुनाव आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह हैरत का पहलू नहीं है। किंतु सिर्फ इसी आधार पर निर्णय को सीमित करके विचार करने से हम इसके वास्तविक निहितार्थों, निकटवर्ती और दूरवर्ती परिणामों आदि का वस्तुनिष्ठ आकलन नहीं कर सकते। भारत में सरकारी नौकरियों में आरक्षण का इतिहास तभी से शुरू हुआ जब अंग्रेजों ने अपने अनुरूप ढांचा कायम करना आरंभ किया, अन्यथा भारतीय व्यवस्था में नौकरी जीविकोपार्जन का मुख्य साधन नहीं था। भारतीय जाति व्यवस्था को पूरी तरह समझना अंग्रेजों के लिए आसान नहीं था। किंतु वे यह समझ गए कि हिंदू समाज के अंदर व्याप्त जाति व्यवस्था का लाभ शासन में उठाया जा सकता है। इसका लंबा इतिहास है कि किसी तरह उन्होंने एक ओर जाति व्यवस्था को खत्म करने का ढोंग किया और दूसरी ओर अलग-अलग जातियों को नौकरी में स्थान की मांग के लिए भड़काया।

जस्टिस पार्टी की स्थापना में अंग्रेजों की ही भूमिका थी जो समाज की निचली श्रेणी के जातियों की आरक्षण की ध्वजवाहक बनी थी। इस पृष्ठभूमि का संक्षेप में उल्लेख करने का उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था का आरंभ कल्याणकारी भावना से नहीं हुआ था। किंतु यही बात स्वतंत्रता के बाद अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजातियों के लिए संसद एवं विधानसभाओं तथा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के संदर्भ में नहीं कही जा सकती। तब इसके पीछे पवित्र उद्देश्य था। यह बात अलग है कि राजनीतिक आरक्षण की आयु आरंभ में केवल दस वर्ष ही तय की गई थी। संविधान सभा की बहस को पढ़ें तो बड़े नेताओं में अनसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों का समाज की मुख्यधारा में लाने की वाजिब चिंता रहते हुए भी जाति आधार पर आरक्षण को लेकर हिचक थी। अंततः उसे एक संक्रमणकालीन व्यवस्था के रुप में स्वीकार कर लिया गया। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि आरक्षण एक दिन राजनीति का ऐसा हथियार बन जाएगा जिसके सामने सभी नतमस्तक हो जाएंगे।

मंडल आयोग की रिपोर्ट इंदिरा गांधी के समय में आई लेकिन उन्होंने इसे लागू नहीं किया। राजीव गांधी के काल में भी इस पर बहस हुई, पर वसंत साठे जैसे नेता कांग्रेस में थे जिन्होंने जोरदार तर्क देकर कांग्रेस को ऐसा करने से रोक दिया। यह याद दिलाना इसलिए आवश्यक है कि आज कांग्रेस के अंदर से जिस तरह की आवाज आ रही है वह उसकी परंपरागत राजनीति नहीं थी। वीपी सिंह ने यदि फाइल में बांधकर रख दिए गए मंडल आयोग की सिफारिश को निकालकर लागू कर दिया तो उसके पीछे केवल राजनीति थी। उसका परिणाम पूरे देश ने देखा। आग लग गई। युवा छाती पीटने लगे। कुछ आत्मदाह की सीमा तक भी गए। ऐसा क्यों हुआ? अनारक्षित जातियों ने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को स्वीकार कर लिया था। हालांकि समय बीतने के साथ इससे सवर्ण एवं पिछड़ी कहे जाने वाली जातियों के युवाओ में असंतोष पैदा हो रहा था। सबको उम्मीद थी कि एक दिन जातीय आधार पर आरक्षण खत्म होगा। मंडल आयोग की सिफारिश लागू करने के साथ इसका विस्तार हो गया। आरक्षण से वंचित गरीब हमेशा मानते रहे कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। इसके साथ सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण लागू कर दिया गया।

हम इसमें नहीं जाना चाहते कि इससे प्रतिभा का कितना दमन हुआ है या कार्यकुशलता कितनी प्रभावित हुई। इसके अलग-अलग अध्ययन हैं। हम यह मानते हैं कि समाज से जातिभेद खत्म होने तक जाति आधार पर भेदभाव के शिकार होने वाले लोगों के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाएं होनी चाहिए भले समस्याएं पैदा होती हों। जातीय रूप से भेदभाव का शिकार न होने के बावजूद सामाजिक-आर्थिक रूप से विपन्नता का दंश झेलने वालों को केवल भगवान भरोसे छोड़ना कल्याणकारी राज्य का संस्कार नहीं हो सकता। दुर्भाग्य से कुछ नेताओं ने गंदी राजनीति के लिए ऐसा माहौल बनाया मानो आरक्षण से बाहर की जीतियां पिछड़ों व दलितों के दुश्मन हैं, ये केवल मलाई चांपने वाले संपन्न वर्ग हैं, इसलिए सामाजिक न्याय के दायरे में इन्हें नहीं लाना चाहिए। सवर्णों का एक बड़ा तबका भी आज अपनी योग्यता क्षमता के परे भरणपोषण के लिए जो काम मिल जाए वही करने को विवश है। नौकरियां तो छोड़िए शैक्षणिक संस्थाओं में ज्यादा अंक आने के बावजूद जिन किशोरों और युवाओं को नामांकन नहीं मिलता उनके मानसपटल पर क्या असर होता है कल्पना करिए।

विपन्न परिवार के लिए संभव नहीं है कि वो निजी खर्चीली शिक्षा संस्थानों में दाखिला करा सके। इस तरह आरक्षण सामाजिक विभाजन की ऐसी खाई पैदा करता गया है जो कई बार स्थानीय स्तरों पर अन्य प्रकारों के विस्फोट के रूप में सामने आता है। सभी इसे समझते भी रहे, मगर इस असंतुलन तथा सामूहिक मनोवैज्ञानिक असंतोष को दूर करने का कदम इस भय से उठाने की हिम्मत नहीं की कि पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति-जनजाति का वोट कट जाएगा। दबाव में कुछ राज्यों ने आधे-अधूरे मन से कदम उठाए तो वो न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं सकता था। 1991 में नरसिंह राव सरकार ने 10 प्रतिशत आरक्षण की आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए व्यवस्था की लेकिन मंडल आयोग पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया तथा 50 प्रतिशत की सीमा रेखा पर बल दिया। बाद की सरकारों के लिए यह बहाना हो गया। ध्यान रखिए, कांग्रेस ने 2004 एवं 2014 के घोषणा पत्र में इसका वादा किया था।

इन परिप्रेक्ष्यों में विचार करें तो वर्तमान ढांचे में अनारक्षित समूहों में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए आरक्षण देर से उठाया गया सामाजिक न्याय के अधूरे कार्य को पूरा करना है। सामाजिक न्याय की अवधारणा में हर वह व्यक्ति शामिल है जो किसी तरह वंचित और कमजोर है। कितनी सरकारी नौकरियां मिलेंगी, प्रमुख शिक्षण संस्थाओं में कितने सवर्ण किशोरों और युवाओं का नामांकन होगा आदि प्रश्न उठाना बाल की खाल निकालने का कुंठा प्रदर्शन है। वर्तमान आरक्षण का सबसे बड़ा प्रभाव तत्काल सामूहिक सामाजिक संतोष के रूप में आएगा। संविधान में जाति का उल्लेख था ही नहीं। मंडल आयोग ने जितनी जातियों का उल्लेख किया वह संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। वर्तमान राजनीतिक स्थिति में आरक्षणविहीन सामाजिक न्याय की आदर्श अवस्था कायम करना लगभग असंभव है। इसलिए मोदी सरकार के इस फैसले को देशहित में स्वीकार कर इसका स्वागत किया जाएगा।

वास्तव में प्रयास हमें उस अवस्था के लिए करना होगा जब आरक्षण की जरूरत न रहे, समाज का हर व्यक्ति एक-दूसरे के सुख और दुख का सहभागी बनने की करुण भावना से भरा हुआ अपना अधिकार जिसे आवश्यकता हो उसे प्रदान करने को तत्पर रहे। आज ऐसे नवदलितवादी एवं तथाकथित पिछड़ावादी पैदा हो गए हैं जो मानते हैं कि भारतीय समाज का चरित्र हमेशा जातीय विभाजन एवं उत्पीड़न का रहा है। यह बिल्कुल गलत है। भारतीय समाज की अन्यायपूर्ण एवं एकपक्षीय व्याख्या को आरक्षण की तार्किकता के लिए प्रस्तुत करने वाले ज्यादातर नेता वही है जिनकी राजनीति व प्रभाव का आधार ही जाति है। आज भी अस्पृश्यता एवं ऊंच-नीच का भाव समाज में है और इसको ध्वस्त करना चाहिए। इसके लिए दूसरे स्तरों पर काम करने की आवयकता है।

■ **अवधेश कुमार**
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

पाक की मंशा फिर उजागर

पाक में भारतीय राजनयिकों और परिवारों को प्रताड़ित करने की खबरें हैरान करने वाली हैं। एक माह में तीन बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जाहिर है, जो हो रहा है वह शीर्ष स्तर के इशारे पर ही संभव है। ऐसी घटनाएं पाकिस्तान की मंशा को उजागर करती हैं।

भारत और पाक एक बार फिर राजनयिकों के साथ होने वाले बर्ताव को लेकर आमने-सामने हैं। इस मसले को जानने वाले लोगों का कहना है कि पाक के सुरक्षा अधिकारियों ने भारतीय दूत और उनके डिप्टी के साथ इस्लामाबाद में उग्र व्यवहार किया। पाक में स्थित भारतीय उच्चायोग ने पाक के विदेश मंत्रालय में एक पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी के खिलाफ दूत के साथ गलत व्यवहार और उसके सोशल मीडिया अकाउंट को हैक करने की कोशिश को लेकर 10 जनवरी को औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी। इस तरह की घटना एक माह में तीसरी बार हुई है। भारतीय दूतावास पिछले महीने दो बार पाक के विदेश मंत्रालय के पास औपचारिक शिकायत कर चुका है। पिछले महीने पाकिस्तान में दूसरे सचिव (सेकंड सेक्रेटरी) के घर की बिजली को काट दी गई थी। रविवार को दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने भारत के सामने विरोध दर्ज करवाया था क्योंकि उसके एक अधिकारी से घंटों पुलिस स्टेशन में पूछताछ हुई थी। महिला ने अधिकारी पर बाजार में उसे गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया था।

पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को प्रताड़ित करने की खबरें हैरान करने वाली हैं। पाकिस्तान में जहां-जहां भारतीय उच्चायोग के दफ्तर मौजूद हैं, वहां काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐसा उत्पीड़न अक्सर झेलना पड़ता है। पिछले हफ्ते पेशावर में पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने उस वक्त हद पार डाली जब भारतीय उच्चायोग के कुछ सदस्यों को बीच सड़क पर रोक लिया गया और वहीं आधे घंटे तक उनसे पूछताछ की गई। ये लोग अपने होटल लौट रहे थे। यही नहीं, इस प्रतिनिधिमंडल को बीच रास्ते से ही इस्लामाबाद लौटने को मजबूर किया गया। इससे पहले इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के आवासीय परिसर में गैस, बिजली और इंटरनेट के कनेक्शन काटे जाने की घटना सामने आई थी। राजनयिकों के साथ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देना आसान नहीं होता। जाहिर है, जो हो रहा है वह शीर्ष स्तर के इशारे पर ही संभव है। ऐसी घटनाएं पाक की मंशा को उजागर करती हैं।

पाक अब राजनयिकों के साथ जो कर रहा है उसे क्या भारत के खिलाफ मुहिम नहीं मानी जानी चाहिए? ताज्जुब है कि पिछले कुछ समय में भारत ने पाक के साथ काफी सदाशयता दिखाई है, उसके बदले में पाकिस्तान ने राजनयिकों को निशाना बनाने की चाल चल दी है। इस साल इमरान खान ने प्रधानमंत्री पद की शपथ के बाद दोस्ती के लिए जिस तरह की लंबी-चौड़ी बातें की थीं, ऐसी घटनाओं से उन पर पानी फिरता नजर आ रहा है। यह शुरू से कहा जा रहा है कि इमरान खान सरकार सेना की कठपुतली है। सेना को अगर लगता है कि सरकार उसके एजेंडे से हट सकती है और भारत के साथ ज्यादा दरियादिली दिखा रही है या दोनों देशों के बीच कोई तनाव वाली स्थिति बनती है, तभी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं।

तंबाकू बर्बाद कर रही लाखों जिंदगी

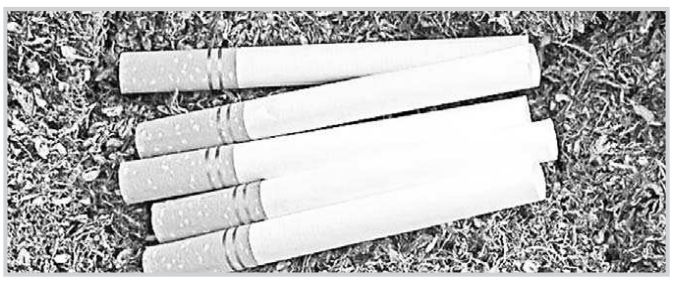

द लैनसेट नामक पत्रिका में प्रकाशित ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज के मुताबिक वर्ष 2015 में विश्व भर में धूम्रपान के कारण 64 लाख लोगों में से 11.5 प्रतिशत की मौत हुई थी। देश ही नहीं पूरी दुनिया में तंबाकू के बढ़ रहे चलने को खत्म करने का बीड़ा किसी एक देश के उठाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरी दुनिया को सामूहिकता से प्रयास करना होगा। तभी हम अपनी आबादी को नशे के मुंह में जाने से बचा पाएंगे।

द लैनसेट नामक पत्रिका में प्रकाशित ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) के मुताबिक वर्ष 2015 में विश्व भर में धूम्रपान के कारण 64 लाख लोगों में से 11.5 प्रतिशत की मौत हुई थी। इस अध्ययन में वर्ष 1990 से वर्ष 2015 के दौरान 195 देशों में धूम्रपान करने की आदत को आधार बनाया गया था। वर्ष 2015 में विश्व में 10 मौतों में से लगभग एक की मौत धूम्रपान के कारण हुई थी। धूम्रपान से होने वाली 50 प्रतिशत से अधिक मौतें भारत समेत चार देशों में हुई। धूम्रपान के कारण 52.2 प्रतिशत लोगों की मौत चीन, भारत, अमेरिका और रूस में हुई। पुरुषों के धूम्रपान करने के मामले में चीन, भारत और इंडोनेशिया सबसे आगे हैं। वर्ष 2015 में धूमपान करने वाले 51.4 प्रतिशत पुरुष इन्हीं तीन देशों से थे, जबकि महिलाओं के संदर्भ में दुनिया के तीन अग्रणी देश अमेरिका, चीन और भारत हैं। इस पड़ताल के मुताबिक इन तीनों देशों में धूम्रपान करने वाली महिलाओं की 27.3 प्रतिशत आबादी रहती है।

गौरतलब है कि दुनिया में धूमपान करने वाली कुल आबादी के 11.2 प्रतिशत लोग भारत में रहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2005 के मुकाबले साल 2015 में धूम्रपान से होने वाली मौतों में 4.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अब देखा जाए तो मौजूदा समय में धूमपान अक्षमता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। शोधकर्ताओं का मानना है कि धूम्रपान के खिलाफ अभी एक लंबी अंतहीन लड़ाई लड़नी शेष है। इस समय पूरे विश्व में 25 प्रतिशत पुरुष और 5.4 प्रतिशत महिलाएं धूम्रपान करती हैं। एक दूसरे अनुमान के मुताबिक भारत में लगभग 12 करोड़ लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। वह भी तंबाकू के नुकसान को जानते हुए। विश्व स्वास्थ संगठन के अनुसार विश्व भर में तंबाकू सेवन करने वालों में से 12 प्रतिशत लोग भारत में निवास करते हैं। 2009 के आंकड़ों के मुताबिक उस साल भारत में लगभग नौ लाख लोग तंबाकू का सेवन करने के कारण मर गए थे, वहीं, वर्ष 2015 में तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या बढ़कर 10 करोड़ 80 लाख हो गई।

यह आंकड़ा इसलिए भी बेहद डरावना है, क्योंकि वर्ष 1998 से वर्ष 2015 के बीच तंबाकू सेवन करने वाले लोगों की संख्या में 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वैसे, तंबाकू के सेवन से वैश्विक स्तर पर 60 लाख लोग हर साल मौत के मुंह में समा रहे हैं। विश्व स्वास्थ संगठन के अनुसार 20वीं सदी में तंबाकू का सेवन करने से लगभग 10 करोड़ लोग मारे गए थे। अगर तंबाकू सेवन का मौजूदा चलन यूं ही चलता रहता है तो 21वीं शताब्दी के अंत तक लगभग एक अरब लोग इसके कारण असमय ही काल-कवलित हो जाएंगे। वित्त वर्ष 2005-06 में की गई राष्ट्रीय स्वास्थ परिवार सर्वे के मुताबिक तंबाकू का उपभोग ग्रामीण पुरुषों में खास करके निरक्षर व गरीब लोगों में ज्यादा था।

ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे, जो कि वित्त वर्ष 2009-10 में 15 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों को लक्षित करके किया गया था में पाया गया कि 34.6 प्रतिशत वयस्क में 47.9 प्रतिशत पुरुष एवं 20.3 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू का सेवन करते थे। तंबाकू स्वास्थ के लिए बहुत हानिकारक है। इसकी वजह से कैंसर एवं दूसरे रोगों के कारण मरने का खतरा लगातार बना रहता है। इससे विकलांगता का भी खतरा रहता है। वैसे, इससे सबसे अधिक मुंह एवं फेफड़े के कैंसर होते हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में टीबी की बीमारी के कारण सबसे ज्यादा लोग मर रहे हैं, जिसका कारण भी तंबाकू सेवन है। इसके बरक्स सबसे खतरनाक तथ्य तंबाकू के सेवन से शरीर के किसी भी अंग का कभी भी फेल होना है।

अगर दूसरे शब्दों में कहा जाए तो इसका लगातार सेवन करने से एक तकलीफदेह मौत निश्चित है। भले ही लोग तंबाकू के सेवन से मर रहे हैं, लेकिन भारत में धुएं के सेवन का इतिहास बहुत ही पुराना है। एक अनुमान के मुताबिक ईसा पूर्व 2000 के पहले से ही इसका उपभोग भारत में किया जा रहा है। धुएं के सेवन के दृष्टांत अर्थववेद में भी पाए जाते हैं। हालांकि, देखा जाए तो भारत में तंबाकू का आगाज 17वीं शताब्दी में हुआ था। तंबाकू के दुष्परिणामों से अवगत होने के बावजूद भारत में सार्वजनिक स्थल पर तंबाकू का उपयोग दो अक्टूबर-2008 को बंद कर दिया गया था। हालांकि, अभी भी इस बंदिश का अनुपालन देश भर में नहीं किया जा रहा है। लोग सार्वजनिक स्थल पर तंबाकू पीने के आदी हैं। ऐसे में तंबाकू का सेवन नहीं करने वाले लोग भी बिना किसी गलती के तंबाकू जनित रोग के शिकार हो रहे हैं।

भारत में तंबाकू सेवन करने की समस्या बहुत ही गंभीर है। स्वास्थ के दृष्टिकोण से और दूसरे कारणों से भी। दरअसल, भारत में तंबाकू सेवन के बहुत सारे प्रकार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बीड़ी, हुक्का और चिलम आदि पिया जाता है तो शहरों में सिगरेट, सिगार, चुरूट आदि। खैनी, पान, जर्दा आदि के जरिए भी तंबाकू सेवन किया जाता है, लेकिन तंबाकू सेवन के इस प्रकार को अपनाने वालों की संख्या कम है। मौजूदा समय में भारत में तंबाकू से बहुत सारे उत्पाद बनाए जा रहे हैं। इसका आर्थिक पक्ष बहुत ही सबल है। इसका व्यापार करने वालों की लॉबी देश में बहुत ही ताकतवर हो चुकी है। फिर यह बहुत सारे लोगों की आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। एक बड़ी आबादी तंबाकू के उत्पादन से जुड़े कार्यों में लगी है। वहीं बीड़ी जैसे उत्पाद का निर्माण मुख्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में ही किया जाता है। तंबाकू से जुड़े लघु एवं कुटीर उद्योगों का योगदान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी है।

कहा जा सकता है कि तंबाकू के सेवन से लाखों लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इससे मरने वाले लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। केवल राजस्व के लिए कब तक हम अपनी जान के दुश्मन बने रहेंगे। इस तरह देखा जाए तो बिहार में शराबबंदी के मामले में एक सकारात्मक पहल की जा चुकी है। अब इस तरह की पहल दूसरे राज्यों में भी किए जाने की जरूरत है। अगर केंद्र व राज्य सरकार चाहें तो पूरे देश में तंबाकू को प्रतिबंधित किया जा सकता है, लेकिन लोग तंबाकू का सेवन नहीं करें इसके लिए आम लोगों को भी अपने अंदर अनुशासन विकसित करना होगा और इस बुरी लत से दूर रहने का संकल्प लेना होगा। हालांकि, इसके बरक्स अब पूरे देश में तंबाकू के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए जाने की भी जरूरत है। मीडिया के सभी माध्यमों का उपयोग करके एवं नुक्कड़ नाटकों की मदद से मामले में सकारात्मक परिणाम लाए जा सकते हैं। शराब और तंबाकू पर रोक के लिए सख्त कानून भी बनाया जा सकता है। मगर यह तभी हो सकेगा, जब सभी दल इच्छाशक्ति दिखा पाएंगे।

शराब और तंबाकू के प्रति युवाओं का बढ़ता रुझान ही समस्या को बढ़ा रहा है। युवाओं को इस लत की ओर जाने से रोकना बेहद जरूरी है। अब देखने में यह भी आ रहा है कि देश की बड़ी आबादी बेहद कम उम्र से ही तंबाकू का सेवन शुरू कर देती है। इसलिए वे कम उम्र में ही गंभीर बीमारियों तक के शिकार हो जाते हैं। नशा उन्मूलन के खिलाफ हर साल बड़े पैमाने पर सरकारी आयोजन किए जाते हैं और एक बड़ी राशि भी खर्च की जाती है। मगर आज तक उसका प्रतिसाद नहीं मिल पाया है। हमें तंबाकू से लड़ने के लिए मिशन के रूप में शुरुआत करनी होगी और सफलता मिलने तक रुकना नहीं होगा। अगर हम तंबाकू के खिलाफ अभियान में युवाओं को जोड़ लेते हैं, तो आधी जंग तभी जीत लेंगे। बाकी की गंभीर प्रयासों से।

■ **सोनल छाया**
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

पाक में काम कर रहे राजनयिकों को परेशान करने की जानकारी हमें है और हम इस मामले को पाक के साथ उठा रहे हैं। अगर वह नहीं सुधरा तो सख्तर करेंगे।

वीके सिंह, विदेश राज्यमंत्री

भारत जब तक पाकिस्तान को सख्त अंदाज में जवाब नहीं देगा, तब तक वह ऐसा ही करता रहेगा। पाक को लगता है कि वह कुछ भी करेगा और भारत चुप बैठा रहेगा।

मारुफ रजा, रक्षा विशेषज्ञ

सत्यार्थ

अनमोल गुरु दक्षिणा

उन दिनों दयानंद सरस्वती वेद और शास्त्रों की शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। वह निर्धन अवश्य थे, पर तीक्ष्ण बुद्धि के थे और अपने गुरु के प्रिय शिष्य भी। उनकी शिक्षा पूर्ण होने ही वाली थी। तभी एक दिन गुरुजी ने सभी शिष्यों से कहा- आप सभी ने यहां रहकर वेदों और शास्त्रों की शिक्षा प्राप्त की है। मैं चाहता हूं कि आप सभी मुझे गुरु दक्षिणा दें। गुरु की बात सुनकर संपन्न शिष्यों ने उन्हें धन आदि दिया, पर गुरु इससे संतुष्ट नहीं हुए। उधर साथियों को कीमती वस्तुएं गुरु दक्षिणा में देते देख दयानंद उदास हो गए। उन्हें उदास देखकर उनका मित्र बोला-तुम उदास क्यों हो? तब दयानंद बोले-मेरे पास तो गुरुजी को देने के लिए कुछ भी नहीं है। मित्र बोला-तुम्हें जो ठीक लगे, वही दे दो। अगले दिन दयानंद दो लौंग लेकर गुरु के पास पहुंचे और बोले-गुरुजी, मेरी तरफ से यह गुरु दक्षिणा स्वीकार करें। गुरु बोले- मुझे तुमसे यह साधारण गुरु दक्षिणा नहीं चाहिए। मैं तुमसे अनमोल दक्षिणा की आकांक्षा कर रहा हूं। तब दयानंद बोले-गुरुजी, मैं आपको अनमोल दक्षिणा कैसे दूं? गुरुजी बोले- तुम ही मुझे वह दक्षिणा दे सकते हो। अब दयानंद चिंतित होकर बोले-पर गुरुजी, कैसे? गुरुजी बोले-तुम्हारे पास प्रतिभा, योग्यता और सद्गुणों का अनमोल धन है। इसके आगे बहुमूल्य धातुओं और रुपयों का कोई मोल नहीं है। ज्ञान जैसा धन व्यक्ति के साथ ही देश को भी धनवान, ज्ञानवान बनाता है। मैं तुम से गुरु दक्षिणा में तुम्हारा ज्ञान और विद्या मांगता हूं। तुम अपने ज्ञान का उपयोग कुरीतियां दूर करने में करोगे व देश में नई चेतना लाओगे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने यह गुरु दक्षिणा अपने जीवन के अंत तक दी और अनेक कुरीतियों को दूर करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

■ **रेनू सैनी**

पीडब्ल्यूएल-4

कप्तान पूजा ने एमपी योद्धा को दिलाई पहली जीत

पंचकूला (एजेंसी)।

प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के चौथे सीजन से लीग में पदार्पण कर रही एमपी योद्धा ने कप्तान पूजा ढांडा के शानदार प्रदर्शन के दम पर मंगलवार को दिल्ली सुल्तांस को 4-3 से हरा लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की है। यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में खेले गए मैच में के 57 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबले में पूजा ने दिल्ली की मजबूत रोमानियाई पहलवान कैथेरिना झ्यदेचिव्सका को 6-0 के अंतर से हराया। पूजा मैट पर उतरीं, तब उनकी टीम 2-3 से पिछड़ रही थी और उनकी जीत से टाई का अंतिम मैच निर्णायक बन गया। दिन का पहला मैच पूर्व नेशनल चैम्पियन दीपक और मौजूदा विजेता प्रवीण के बीच था। 86 किलोग्राम वर्ग के इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में दिल्ली के पहलवान प्रवीण पहले राउंड के बाद एक अंक से आगे थे, लेकिन ब्रेक के बाद एमपी योद्धा के लिए खेल रहे दीपक सात अंक बटोर कर आसान जीत की बढ़ रहे थे। प्रवीण ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला खत्म होने तक स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया लेकिन तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर दीपक विजेता बने और एमपी योद्धा 1-0 से आगे हो गई। महिला वर्ग के 53 किलोग्राम भारवर्ग में अंडर-23 वर्ल्ड चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता रितू फोगाट पहले राउंड में दिल्ली सुल्तांस की राष्ट्रीय चैम्पियन पिंकी के खिलाफ 0-1 से पिछड़ रही थीं। ब्रेक के बाद रितू ने कड़ा मुकाबला करते हुए दूसरे राउंड के मध्य तक 3-1 से बढ़त बना ली थी। लेकिन पिंकी ने शानदार वापसी करते हुए रितू को दबोच लिया और मुकाबला 5-3 से जीत लिया। पिंकी की जीत से दिल्ली सुल्तांस 1-1 की बराबर पर आ गए। 2017-18 वर्ल्ड मिलिटरी चैम्पियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट रूसी पहलवान खेतिक त्साबोलोव ने दिन का तीसरा मुकाबला आसानी से जीतकर दिल्ली को 2-1 से आगे कर दिया। 74 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबले में रूसी पहलवान ने यक्रेन की प्रतिद्वंद्वी वासिल मिखाइलोव पर 17-2 की बढ़त ले ली थी और तब रेफरी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर उन्हें विजेता घोषित किया। महिला 76 किलोग्राम भारवर्ग में दो विदेशी पहलवान उतरीं। दिल्ली सुल्तांस की यूक्रेन की पहलवान अनास्तासिया शुस्तवा ने कोलंबियाई पहलवान आंद्रेइया ओलाया को एक मिनट से कम समय में दो बार पटखनी देकर आसान जीत हासिल की। अनास्तासिया की जीत से दिल्ली की बढ़त 3-1 हो गई।

65 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती में एमपी योद्धा के विश्व विजेता हाजी एलियेव दिल्ली के सुल्तांस के यूक्रेन के पहलवान आंद्रे विआल्कोवस्की पर भारी पड़े। अजरबैजान के हाजी ने यह मुकाबला 9-2 से जीतकर एमपी योद्धा (2-3) की संभावना को बरकरार रखा।

डेविड वॉर्नर हुए 0 पर आउट, मैच भी नहीं जीत सकी टीम

नई दिल्ली। आईसीसी द्वारा आयोजित किया जाने वाला विश्व कप टूर्नामेंट मई के अंत में शुरू होने वाला है। ऐसे में इससे पहले बचे समय में सभी बल्लेबाज लय में लौटकर विश्व कप में जलवा दिखाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। लेकिन आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अभी तक अपनी पुरानी फॉर्म से वापस नहीं लौट पाए। वॉर्नर बांग्लादेश प्रीमियर लीग के 16वें मुकाबले में कोमिला विक्टोरियंस के खिलाफ 7 गेंदों में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। लिहाजा उनकी सिल्हट सिक्सर्स टीम 8 विकेट से मैच भी गंवा बैठी। इमरुल कायेस की कप्तानी वाली कोमिला विक्टोरियंस ने टॉस जीतकर वार्नर की अगुवाई वाली सिल्हट सिक्सर्स टीम को पहले बल्ले लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। कोमिला टीम के गेंदबाजों ने अपने कप्तान के पहले फील्डिंग करने के फैसले को सही साबित करते हुए सिल्हट को 14.5 ओवर में 68 रन पर ढेर कर दिया। 69 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोमिला टीम ने 11.1 ओवर में 2 विकेट पर जीत दर्ज कर ली। कोमिला की ओर से शैमसुर रहमान ने नाबाद 34 और कप्तान इमरुल कायेस ने नाबाद 30 रन बनाए। वॉर्नर इस लीग में अबतक खेले 4 मुकाबलों में से सिर्फ एक ही मुकाबले में अर्धशतकीय पारी खेल सके। उन्होंने चटगाँव वाइकिंग्स के खिलाफ 9 जनवरी को 59 रनों की पारी खेली थी। वहीं इसके अलावा खेले 3 मुकाबलों में 14, 7, 0, की मामूली पारियां खेलीं। बता दें कि बॉल टेंपरिंग में दोषी पाए जाने के बाद वॉर्नर इंटरनेशनल मैच नहीं खेल सके। उनपर 1 साल का बैन लगा है जो मार्च के अंत में खत्म होगा।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर से जूझ रहे रोमन रेंस

स्पोर्ट्स डेस्क। डब्ल्यूडब्ल्यूई फैंस को जब इस बात की खबर मिली कि रोमन रेंस कैंसर का शिकार हैं तो उनका चेहरा मायूस सा पड़ गया था। रोमन पिछले अक्तूबर महीने से रिंग से बाहर हैं और वह सोशल मीडिया से भी दूर होते दिखे। लेकिन इस बीच उनकी एक तस्वीर वायरल हुई है जिसमें वह पूरी तरह से फिट नजर आ रहे हैं। की एंकर सुजेन ब्रनर ने ट्विटर अकाउंट पर एक फोटो पोस्ट की। रोमन रेंस की ये फोटो अमेरिका के हवाई द्वीप के एक होटल की है। द बिग डॉग रोमन रेंस पिछले महीने हुए ट्रिब्यूट टू द टूप्स इवेंट में शामिल हुए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो रोमन रेंस 8 फरवरी को पिट्सबर्ग में होने वाले वर्ल्ड ऑफ वील्स एग्जीबिशन में भी शिरकत करेंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान क्रिस जैरिको ने बताया था कि रोमन रेंस की सेहत काफी अच्छी है। ये फोटो उनकी बात पर मुहर लगाती है। रोमन रेंस ने अगस्त में खुलासा किया कि 2008 से ही वह लियूकीमिया से जूझ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा था, %कभी जिंदगी आपकी कड़ी परीक्षा लेती है और मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ बात यह है कि घर जाकर अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे सकता हूं। मगर मैं एक बात साफ करना चाहता हूं कि यह मेरा विदाई भाषण नहीं है। मैं वापसी करूंगा क्योंकि आप सभी को साबित करना चाहूंगा कि मैंने हार नहीं मानी। मैं इस बीमारी को मात दूंगा और बहुत जल्द वापसी करूंगा। इस गंभीर बीमारी के चलते रेंस ने अपना यूनिवर्सल खिताब त्याग दिया है। मैं इस बीमारी को मात दूंगा और बहुत जल्द वापसी करूंगा। इस गंभीर बीमारी के चलते रेंस ने अपना यूनिवर्सल खिताब त्याग दिया है।

आईएफएफ ने भारतीय फुटबॉल में योगदान के लिए कांस्टेनटाइन का आभार किया व्यक्त

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने मंगलवार को पूर्व कोच स्टीफन कांस्टेनटाइन का देश में इस खेल में योगदान देने के लिए आभार व्यक्त किया। फरवरी 2015 में सीनियर टीम का जम्मि संभालने वाले कान्सटेनटाइन ने एएफसी एशियाई कप में भारतीय टीम के बाहर होने के बाद अपना पद छोड़ दिया था। कान्सटेनटाइन का एआईएफएफ के साथ अनुबंध 31 जनवरी तक था। पटेल ने बयान में कहा, यह शानदार यात्रा रही। हमने एक साथ लंबी राह तय की और दुनिया ने इसे देखा। मैं स्टीफन को भवष्यि के लिए शुभकामनाएं देता है और भारतीय फुटबॉल में उनके प्रयासों और योगदान के लि आभार व्यक्त करता हूं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन देखने पहुंचे रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक-विजय शंकर ने भी किया चीयर्स

जालन्धर। एडिलेड वनडे में जीत के साथ सीरीज में 1-1 की बराबरी पर टीम इंडिया के प्रमुख सदस्य ऑस्ट्रेलियाई ओपन देखने गए। रोहित ने अपने ट्विटर अकाऊंट पर एक पोस्ट शेयर की है जिसमें वह दिनेश कार्तिक और विजय शंकर के साथ टेनिस मैच का मजा ले रहे हैं। विजय शंकर को मिल सकता है तीसरे वनडे में मौका = हार्दिक पांड्या के टीम से बाहर होने के बाद टीम इंडिया में शामिल विजय शंकर को तीसरे वनडे में मौका मिल सकता है। दरअसल दूसरे वनडे में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बहुत महंगे साबित हुए थे। ऐसे में ऑलराऊंडर विजय शंकर का अगर मौका मिलता है तो वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में मौका भुनाने से पीछे नहीं हटेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त, पहले दौर में हारी बोपन्ना और दिविज की जोड़ी

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल में भारतीय चुनौती पहले ही दिन समाप्त हो गई जब तीनों जोडियों को पहले दौर में पराजय झेलनी पड़ी। भारत के 15वीं वरीयता प्राप्त रोहन बोपन्ना और दिविज शरण को स्पेन के गैर वरीय पाब्लो कारेनो बस्ता और गुलिरेमो गासया लोपेज की गैर वरीय जोड़ी ने 6.1, 4.6, 7.5 से हराया। टाटा ओपन महाराष्ट्र जीतने के बाद इस भारतीय जोड़ी की यह पहले दौर में लगातार दूसरी हार है पिछले सप्ताह वे सिडनी इंटरनेशनल में हार गए थे। अपना 24वां आस्ट्रेलियाई ओपन खेल रहे लिएंडर पेस और मिगुल एंजेल रेयेस वारेला को अमेरिका के आस्टिन क्राइजेक और न्यूजीलैंड के अर्टेम सिटाक ने 7.5, 7.6 से हराया । जीवन नेंदुचेझियान और निकोलस मुनरो की जोड़ी को केविन के और निकोला मेकटिच ने 4.6, 7.6, 7.5 से मात दी। प्रजनेश गुणेश्वरन भी क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में आने के बाद पहले दौर में हार गए थे। वहीं रामकुमार रामनाथन, अंकिता रैना और करमन कौर थांडी मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके ।

फेडरर और वोज्नियाकी अगले दौर में, एंडरसन हारे

मेलबर्न (एजेंसी)।

गत चैम्पियन रोजर फेडरर और कैरोलिन वोज्नियाकी ने अपने अपने मुकाबले अलग अलग अंदाज में जीतकर आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया । फेडरर ने लगातार 20वें साल तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया लेकिन ब्रिटेन के डान इवांस के खिलाफ मुकाबला 7 . 6, 7 . 6, 6 . 3 से जीतने में उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी । बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन फेडरर यहां रिकार्ड सातवां और लगातार तीसरा खिताब जीतने के इरादे से उतरे हैं । उन्होंने पहले दौर में डेनिस इस्तोमिन को हराया लेकिन दूसरे दौर में उन्हें कड़ी मशक्कत करनी पड़ी । दो घंटे 35 मिनट तक चला मुकाबला जीतने के बाद उन्होंने कहा ,'' मैं शुरूआत से दबाव बना लेता तो हालात कुछ और होते ।'' अब फेडरर का सामना फ्रांस के गाएल मोंफिल्स या अमेरिका के टेलर फ्रिट्स से होगा । वहीं पांचवीं रैंकिंग वाले दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन को अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने 4 . 6, 6 . 4, 6 . 4, 7 . 5 से शिकस्त दी । अब दुनिया के 39वें नंबर के इस खिलाड़ी का सामना इटली के आंद्रियास सेप्पी से होगा । छठी वरीयता प्राप्त क्रोएशिया के मारिन सिलिच ने अमेरिका के मैकेंजी डोनाल्ड को पांच सेटों में हराया जो अब स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को से खेलेंगे । यूनान के स्टीफानोस टी भी सिंबया के विक्टर ट्रोइकी को हराकर अगले दौर में पहुंच गए । महिला वर्ग में वोज्नियाकी ने स्वीडन की जोहाना लारसन को 6 . 1, 6 . 3 से मात दी । स्लोएने स्टीफेंस ने टिमिया बाबोस को 6 . 3, 6 . 1 से हराया ।

कोहली ने युवाओं को दिया संदेश, टी-20 क्रिकेट पर मत करो ज्यादा फोकस

एडीलेड (एजेंसी)।

बल्लेबाजी के नित नए रिकार्ड बनाते जा रहे विराट कोहली ने युवाओं को संदेश दिया है कि सिर्फ सीमित ओवरों के प्रारूप पर फोकस करना ही टेस्ट क्रि केट की चुनौतियों का सामना कर पाने में असमर्थ होने का बहाना नहीं होना चाहिए । 25 टेस्ट शतक बना चुके दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज ने चेताया कि युवा अगर पांच दिनी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे तो उन्हें मानसिक दिक्कतें होंगी । उन्होंने कहा ,'' हम छोटे प्रारूप पर बहुत ज्यादा फोकस करते हैं और यह बहाना बनाते हैं कि उसकी वजह से टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे तो मुझे लगता है कि क्रिकेटरों को मानसिक दिक्कतें पेश आने लगेंगी । जब तक आप पांच दिन तक हर सुबह उठकर मेहनत करने को तत्पर हैं और सारी मेहनत करते हैं । यदि आप दो घंटे बल्लेबाजी करना चाहते हैं और टीम के लिये रन नहीं बना पाते हैं । मुझे लगता है कि आपको पहले वाले के लिए तैयार रहना चाहिए ।'' कोहली ने कहा कि भारत के मौजूदा टेस्ट क्रि केटर युवा पीढी के लिए उदाहरण पेश करने की कोशिश में हैं । उन्होंने कहा कि वह भारत को टेस्ट क्रिकेट में महाशक्ति बनते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा ,''मैं यह नहीं कहूंगा कि लक्ष्य है लेकिन हमारा दृष्टिकोण यह है कि हम भारत को आने वाले समय में टेस्ट क्रिकेट में महाशक्ति बनते देखना चाहते हैं ।'' कोहली ने कहा ,'' मेरा मानना है कि भारतीय क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट का सम्मान करता है, भारतीय खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट का सम्मान करते हैं तो टेस्ट क्रिकेट शिखर पर रहेगा क्योंकि हमारे प्रशंसक पूरी दुनिया में हैं ।'' उन्होंने अपना काम आसान करने के लिये कोच रवि शास्त्री को धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा ,'' 2014 के बाद से उन्होंने मुझे हमेशा ईमानदारी से फीडबैक दिया है कि कब सुधार की जरूरत है ।'' आस्ट्रेलिया दौरे पर जाने से पहले कोहली ने इस धारणा को खारिज किया था कि शास्त्री उनकी हां में हां मिलाते हैं। उन्होंने कहा ,'' उन्होंने इतनी कमेंट्री की है और खेल को इतना देखा या खेला है कि मैच देखकर ही उन्हें पता चल जाता है कि किस दिशा में खेल जा रहा है । उनसे फीडबैक लेने से काफी मदद मिलती है । उन्होंने कभी कप्तानी के अनुकूल ढालने के लिये मुझे बदलने की कोशिश नहीं की ।''

पूर्व आस्ट्रेलियाई गेंदबाज का बयान- भारत भी जीत सकता है 2019 विश्व कप

एडीलेड। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जासन गिलेस्पी को लगता है कि जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाला मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण भारत को आगामी आईसीसी विश्व कप में मेजबान इंग्लैंड के साथ प्रबल दावेदारों में से एक बनाता है। गिलेस्पी ने कहा, ''मुझे लगता है कि भारतीय आक्रमण बहुत संतुलित है। बुमराह को कुछ निश्चित कारण से आराम दिया गया है लेकिन उनका आक्रमण फिर भी काफी अच्छा है। '' उन्होंने कहा, ''हर कोई अलग अलग तरह की गेंदबाजी करता है और आप इसमें बुमराह को भी जोड़ दीजिये तो वे विश्व कप में चुनौती पेश करने के लिये बेहतर स्थान पर मौजूद हैं। मुझे लगता है कि इंग्लैंड निश्चित रूप से प्रबल दावेदार है लेकिन भारत भी इसमें पीछे नहीं है। '' गिलेस्पी ने बुमराह की विशेष तारीफ की और कहा कि इस गेंदबाज का गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन उसे अन्य गेंदबाजों से अलग बनाता है। इस 43 साल के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, ''मुझे बुमराह को गेंदबाजी करते हुए देखना पसंद आता है। वह धीरे धीरे चलता हे लेकिन जब वह क्रीज पर आता है तो उसका एक्शन तेज तर्रार होता है। वह अच्छी रफ्तार से गेंदबाजी करता है, बल्लेबाज को परेशान करता है और वह अपनी रफ्तार में काफी बदलाव भी कर सकता हैं वह बहुत ही शानदार गेंदबाज है। '' उन्होंने कहा, ''उसका एक्शन बेहतरीन है। वह गेंद फेंकते हुए पैर आगे करता है, उसकी बांह का एक्शन जरा देर से होता है। वह आपको स्लिंग शाट फेंकता है। इससे ही रफ्तार बनती है। लेकिन आपको ऐसा करने के लिये मजबूत होने की जरूरत है। बुमराह मजबूत है और टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल फेंकने के लिये फिट है। वह टेस्ट में हमेशा अपनी रफ्तार बनाये रखता है और यही चीज उसे बेहतरीन गेंदबाज बनाती है। '' भारत और आस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-1 से बराबर चल रही हैं और निर्णायक मैच शुक्रवार को मेलबर्न में खेला जाएगा। आस्ट्रेलियाई टीम जनवरी 2017 के बाद पहली वनडे श्रृंखला जीतने पर निगाह लगाए है।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाने होंगे :चंडीमल

होबार्ट (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले श्रीलंका के कप्तान दिनेश चंडीमल ने अपने बल्लेबाजों से पहली पारी में मेजबान टीम के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाने की मांग की है। श्रीलंका की टीम आस्ट्रेलिया में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। आस्ट्रेलिया में श्रीलंका ने अबतक 13 मैच खेले हैं और उसे 11 में हार झेलनी पड़ी है जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं। चंडीमल चाहते हैं कि उनकी टीम इस बार ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में कामयाब हो पाए। चंडीमल का मानना है कि अगर श्रीलंका के बल्लेबाज 300 के पार का स्कोर बनाने में कामयाब हो पाते हैं तो उनके गेंदबाज आस्ट्रेलिया के लिए पेरशानी पैदा कर सकते हैं। उन्होंने हाल में ऐतिहासिक सीरीज जीतने वाली भारतीय टीम के गेंदबाजों की भी प्रशंसा की। क्रिकइंफो ने चंडीमल के हवाले से बताया, यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम बेहतर होना चाहते हैं। हमने न्यूजीलैंड में दोनों टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया खासकर दूसरी पारी में और हम बस अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं, चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी। हमने पिछली सीरीज से सीख ली है और खिलाड़ियों की योजना तैयार है, अगर वह मैदान पर योजना को अमल में ला पाते हैं तो यह हमारे लिए अच्छी शुरुआत होगी। चंडीमल ने कहा, हमारे तेज गेंदबाज अच्छी फॉर्म में हैं, अगर हम 300 से अधिक स्कोर बनाने में कामयाब हो पाते हैं तो यह बल्लेबाजों की ओर से अच्छा योगदान होगा। भारत ने बेहतरन गेंदबाजी की, खासकर 40-80 ओवर के बीच में और इसी वजह से वे सीरीज जीतने में कामयाब हो पाए। हम एक टीम के रूप में बेहरीन प्रदर्शन करना चाहते हैं। पहला टेस्ट मै 24 जनवरी को सिडनी के गाबा मैदान पर खेला जाएगा।

12 साल के गुकेश बने वर्तमान में दुनिया के सबसे युवा शतरंज ग्रांड मास्टर

इंटरनेशनल शतरंज ।

दिल्ली में चल रहे दिल्ली इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप में भारत के डी गुकेश दुनिया के सबसे युवा ग्रांड मास्टर बन गए है उन्होने यह खिताब 12 वर्ष 7 माह 17 दिन की उम्र में ग्रांडमास्टर बनने का कारनामा कर दिया है । उम्र के लिहाज से वह विश्व में दूसरे स्थान पर पहुँच गए इससे पहले रूस के सेरगी कार्याकिन नें 1990 में 12 वर्ष 7 माह में यह कारनामा किया था । हालांकि इस दौरान उन्होने भारत के सबसे कम उम्र के ग्रांडमास्टर बनने में आर प्रग्गानंधा को पीछे छोड़ा जिन्होने पिछले ही वर्ष यह रिकार्ड कायम किया था वह 12 साल 10 माह और 13 दिन में ग्रांडमास्टर बने थे । हालांकि 1993 में भारत के परिमार्जन नेगी भी 13 साल चार महीने 22 दिन में यह कारनामा कर चुके है और अब वह छठे स्थान पर सूची में है ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज से तीन गुजरात पर

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जनवरी से तीन दिवसीय गुजरात यात्रा पर आ रहे हैं। गुजरात यात्रा के दौरान पीएम मोदी वाइब्रेंट समिट के साथ ही अहमदाबाद के नए वीएस अस्पताल और शोपिंग फेस्टीवल का उदघाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 17 जनवरी को दोपहर 12.25 बजे दिल्ली से रवाना होकर दोपहर 2.00 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। 2.20 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट से गांधीनगर हेलीपेड पहुंचेंगे और 2.30 बजे वाइब्रेंट ग्लॉबल ट्रेड शो का उदघाटन करेंगे और करीब एक घंटे कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। दोपहर 3.30 बजे पीएम मोदी अहमदाबाद के लिए रवाना होकर 4.00 बजे नए वीएस अस्पताल पहुंचकर उसका उदघाटन कर जनसभा को संबोधित करेंगे। शाम 5.30 बजे पीएम मोदी रिवरफ्रंट पहुंचेंगे जहां शोपिंग सेंटर का उदघाटन करेंगे। शाम 6.35 बजे अहमदाबाद से गांधीनगर रवाना होंगे और 7.00 महात्मा मंदिर पहुंचेंगे जहां, दो घंटे बिताएंगे। महात्मा मंदिर में वाइब्रेंट समिट में भाग लेने आए विभिन्न देशों के महानुभावों के साथ पीएम मोदी रात्रि भोज करेंगे। 9.15 बजे पीएम मोदी राजभवन जाएंगे, जहां रात्रि विश्राम करेंगे और उस दौरान भाजपा के सांसद और विधायकों समेत पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

प्रधानमंत्री 18 जनवरी को सुबह 8.30 बजे महात्मा मंदिर पहुंचेंगे, जहां 8.30 से 9.45 बजे के दौरान विभिन्न देशों के महानुभावों के साथ बैठक करेंगे। 10.00 बजे वाइब्रेंट समिट 2019 का उदघाटन करेंगे। दोपहर 1.30 बजे विभिन्न देशों के महानुभावों

के साथ दोपहर का भोजन करेंगे। दोपहर 2.00 से शाम 5.00 के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल के साथ वन टू वन बैठक करेंगे। शाम 5.30 बजे से 6.30 बजे के दौरान 2 देशों के बीच द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। शाम 6.40 बजे लेसर लाइट शो का उदघाटन करेंगे और 7.30 बजे महानुभावों के साथ रात्रि भोज करेंगे। रात 8.35 बजे दांडी कुटिर जाएंगे और वहां से 8.45 बजे राजभवन पहुंचेंगे, जहां रात्रि विश्राम करेंगे। 19 जनवरी 2019 को सुबह 11.00 बजे प्रधानमंत्री राजभवन से अहमदाबाद को रवाना होंगे। अहमदाबाद एयरपोर्ट से सुबह 11.25 बजे पीएम मी सूरत के लिए रवाना होंगे और 12.20 बजे सूरत एयर पोर्ट पहुंचेंगे। सूरत से पीएम मोदी दोपहर 1.05 बजे सिलवासा हेलीपेड पहुंचेंगे।

वराछा में किराना दुकान से हजारों का माल चोरी

सूरत। शहर के वराछा इलाके स्थित अंबिका ट्रेडिंग कंपनी के चबूतरे पर से ऑटो में आए तीन अज्ञातों ने बारह चावल के कट्टे की चोरी कर फरार हो गए।

घटना की जानकारी के अनुसार वराछा मेन रोड मोहन की चाल गुप्ता निवास में रहनेवाले अनिल लालचंद गुप्ता घर के आगे के भाग में अंबिका ट्रेडिंग कंपनी के नाम से व्यवसाय करते हैं। इस दौरान गत 6 नवंबर 2018 को ऑटो में आए तीन अज्ञातों ने अनिता की दुकान के चबूतरे पर रखे बारह चावल के कट्टे की चोरी कर लिया और फरार हो गए।

लिंबायत में किराना दुकान से हजारों की चोरी

सूरत। शहर के लिंबायत इलाके स्थित प्रमुख एपार्टमेन्ट के पास मंगलम किराना दुकान का शटर तोडकर चोर 62 हजार की चोरी कर फरार हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार लिंबायत महाराणा प्रताप चार रास्ता केशरभवानी सोसायटी निवासी रामेश्वर गोपीलाल कुमावत गोडादरा रोड प्रमुख एपार्टमेन्ट के सामने किराए की दुकान रखकर मंगलम के नाम पर किराणे की दुकान चलाते हैं। इस दौरान गतरोज रात को किसी अज्ञात ने रामेश्वर की दुकान का शटर बीच से उंचा कर अंदर प्रवेश कर गल्ले से नगद 62 हजार चोरी कर लिया। रामेश्वर ने पिछले चार महीने से दुकान के किराए का पैसा एकत्र कर रखा था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

सूरत। मोबाइल की दुकानों पर डुप्लीकेट सामान बिकने के कारण बुधवार को दिन भर मोबाईल की दुकानों में छापे मारी की गई। प्रतिक आरकेट लाल गेट पुलिस चौकी के सामने महिन्द्रपुरा में डुप्लीकेट सामान की छानबीन करते अधिकारी।

गुजरात में सभी भर्तियों पर लगी रोक, 10 फीसदी आर्थिक आरक्षण का असर

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने 10 प्रतिशत आर्थिक आरक्षण को लागू करने के एक दिन बाद गुजरात सरकार ने सभी भर्तियों पर रोक लगा दी है। आरक्षण के लिए केन्द्र की ओर से गजट प्रकाशित करने के बाद ही राज्य में इसका अमल हो सकेगा। दूसरी ओर कांग्रेस केन्द्र सरकार की ओर से 10 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के लिए जहां केन्द्र को बार-बार कटघरे में खड़ा कर रही है।

वहीं गुजरात भाजपा ने भी कांग्रेस की समझ पर ही सवाल उठा दिए हैं। उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को कोई अन्याय नहीं हो तथा नौकरियों में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके, इसलिए भर्ती प्रक्रिया को फिलहाल रोक दिया है। नितिन पटेल ने कहा कि गुजरात में नए संविधान संशोधन को लागू कर दिया गया है, लेकिन 10 फीसदी आरक्षण के लिए फिलहाल केन्द्र की ओर से कोई गाइड लाइन जारी नहीं होने के चलते राज्य में नई भर्तियों पर रोग लगा दी है। नितिन पटेल ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से गजट प्रकाशित कर इस आरक्षण के लिए नियम जारी करने के बाद ही सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने कहा कि नई भर्तियों में सभी वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व मिले, इसलिए भर्तों पर रोक लगाई है। साथ में नितिन पटेल ने यह भी कहा कि कांग्रेस नीति नियमों को समझे बिना बेवजह आरोप-प्रत्यारोप लगाती रहती है।

उमरा से बाइक चोर गिरफ्तार

सूरत। उमरा इलाके से चोरी की बाइक के साथ पुलिस ने एक श स को गिरफ्तार किया है। उमरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पूर्व सूचना के आधार पर चोरी की बाइक के साथ घुम रहे मनज गांगणी (निवा. एकता रो हाउस, मोटा वराछा) को गिरफ्तार कर हीरो होन्डा स्प्लेन्टर गाड़ी बरामद किया। पूछताछ में प्रकाश ने बाइक वराछा विस्तार से चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

गुजरात में कांग्रेस ने शुरू किया मिशन 50 परसेंट

13 लोकसभा सीटों पर नजर

सूरत । राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मिली कामयाबी से कांग्रेस के हौसले बुलंद हैं। अब उसकी नजरें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के गृहराज्य गुजरात पर लग गई हैं। कांग्रेस को सन 2014 लोकसभा चुनाव में गुजरात की एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। इस बार उसने गुजरात में मिशन 50 परसेंट शुरू किया है, जिसके तरह उसने 13 लोकसभा सीटों पर विशेष रूप से अपना ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी ने 2019 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में 'मिशन 50 परसेंट' शुरू किया है। 20 लोकसभा सीटों वाले राज्य में कांग्रेस ने 13 ऐसी सीटों की पहचान की है, जहां उसे कामयाबी मिल सकती है। कांग्रेस ने अपनी योजना के मद्देनजर राज्य में जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। वह बूथ लेवल कमेटियों के लिए प्रतिबद्ध कार्यकर्ता भी खोज रही है। कांग्रेस की योजना से वाकिफ

सूत्रों ने बताया कि 'मिशन 50 परसेंट' में आनंद, अमरेली, बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन, जूनागढ़, दाहोद, बारडोली, सुरेंद्रनगर, जामनगर, पोरबंदर, भरूच और मेहसाणा, आणंद जैसे 13 निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। पिछले दो विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव का आकलन करने के बाद इन सीटों की पहचान की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि इनमें ज्यादातर ग्रामीण इलाके या फिर आरक्षित सीटें हैं। यहां कांग्रेस की अच्छी मौजूदगी है और वह ज्यादा समर्थन हासिल कर सकती है।

पार्टी ने इन निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले हरेक विधानसभा क्षेत्र में एक गुजरात कांग्रेस सचिव को भेजा है। सभी सचिवों को एक प्लान के तहत काम करने को कहा गया है। इसमें बूथ-लेवल कार्यकर्ताओं की पहचान करके उन्हें व्यवस्थित समिति में शामिल करने जैसे काम हैं। इसके अलावा समूचे विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता की पहचान करना और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सहभागिता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह प्लान हरेक विधानसभा क्षेत्र के करीब 270 बूथों पर अमल में लाया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कांग्रेस नेतृत्व ने उम्मीदवारों की एक लंबी सूची भी तैयार कर ली है। एक सूत्र के मुताबिक इनमें से कुछ ने तो अपने क्षेत्र में काम करना भी शुरू कर दिया है। हालांकि, इस सूची की घोषणा सहयोगियों से विचार विमर्श के बाद चुनाव के नजदीक आने पर ही की जाएगी। एक प्राइवेट कंसल्टेंसी इस पूरे कामकाज की निगरानी भी करेगी। वह विश्वसनीय डेटा और बैक-एंड सपोर्ट भी देगी। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के गुजरात सचिव जितेंद्र बघेल और विश्वरंजन मोहंती 'मिशन 50 फीसदी' पर नजर रखेंगे।

गुजरात को निर्वाचन क्षेत्र के आधार पर बांटा गया है। दोनों नेता इस बात का रिकॉर्ड रख रहे हैं कि जमीनी स्तर पर प्लान कैसे आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस के आंतरिक विश्लेषण से पता चलता है कि उसे अहमदाबाद (पूर्व), अहमदाबाद (पश्चिम), नवसारी, सूरत, वडोदरा, गांधीनगर, भावनगर, कच्छ और वलसाड की शहरी सीटों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

अहमदाबाद की अनूठी पहचान बन रहा है फ्लॉवर शो: मुख्यमंत्री

7.5 लाख फूलों के साथ यह शो अहमदाबाद की सुंदरता को लगाएगा चार चांद

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अहमदाबाद फ्लॉवर शो-2019 को अहमदाबाद की अनूठी पहचान बताते हुए कहा कि यह शो महानगर की सुंदरता को चार चांद लगाएगा। बुधवार को अहमदाबाद के रिवरफ्रंट में आयोजित लॉवर शो-2019 का राजस्व मंत्री कौशिकभाई पटेल की उपस्थिति में उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही।

विजय रूपाणी ने कहा कि साढ़े सात लाख फूलों के साथ यह नयनर य लॉवर शो रिवरफ्रंट की खूबसूरती को और भी बढ़ाएगा। उन्होंने कहा

कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले लॉवर शो के मुकाबले इस वर्ष दोगुने क्षेत्र में यह शो आयोजित हो रहा है। फ्लॉवर शो में 7.5 लाख से अधिक फूलों के उपयोग से विभिन्न प्रतिकृतियों का सृजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष टैरेस गार्डन, बालकनी गार्डन और वर्टिकल गार्डन जैसे नए आयाम शामिल किए गए हैं, इससे लुभावनी हरियाली का निर्माण हुआ है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगी। रूपाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 जनवरी से दो दिनों के गुजरात दौरे पर आ रहे हैं और 17 से 20 जनवरी तक वाइब्रेंट समिट आयोजित होने वाली है। इसके अलावा, अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टीवल का आयोजन और सरदार पटेल हॉस्पिटल का भी उद्घाटन होने वाला है। इस तरह, इन चार दिनों के दौरान गुजरात में उत्सव जैसा माहौल होगा। 22 जनवरी तक चलने वाले अहमदाबाद फ्लॉवर शो में बुलेट ट्रेन, सी-प्लेन, बार्बी डॉल, गांधी जी का चश्मा, यूनिवर्स, हिरण और मोर सहित अन्य नयनर य प्रतिकृतियों का निर्माण कर यहां प्रदर्शित किया गया।

वाइब्रेंट गुजरात समिट-२०१९ के तहत आयोजित

सबसे बड़ा ट्रेड-शो का आज प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उद्घाटन

गांधीनगर। हर दो वर्ष में आयोजित किया जाता वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के तहत राज्य सरकार द्वारा आगामी तारीख १७ से २२ जनवरी, २०१९ के दौरान हेलिपेड ग्राउन्ड पर वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो २०१९ आयोजित किया जाएगा।

बुधवार को गांधीनगर में एक पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए राज्य के ऊर्जामंत्री सौरभ पटेल ने ट्रेड शो के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि, ''ग्लोबल ट्रेड शो'' का प्रदर्शन का उद्घाटन १७ जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा। २० जनवरी तक यह प्रदर्शन बायर-सेलर मीट में हिस्सा लेने वाले प्रतिनिधियों, मीडिया तथा अध्ययनशील छात्रों के लिए आरक्षित होंगे। २० जनवरी को दोपहर बाद यह प्रदर्शन सभी वीजिटर्स के लिए खुला रहेगा। पत्रकार परिषद में कृषि और पंचायत राज्यमंत्री जयद्रथसिंह परमार और पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव एसके. हैदर भी उपस्थित हुए। मंत्री ने आगे बताया है कि, एक नई दृष्टिकोण के साथ आयोजित इस प्रदर्शन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के लिए बीट टू बी के प्रतिनिधियों के लिए मुलाकात आयोजित हो सके ऐसा एक मंच उपलब्ध कराना है। जिसमें सहभारी व्यापारियों के साथ बैठकों, खरीदी-बिक्रेता, वेन्डर डेवलपमेन्ट कार्यक्रमों, व्यापार नेटवर्किंग, तकनीकी मूल्यांकन और रणनीतिक साझेदारी व्यूहात्मक को महत्व दिया जाएगा। पटेल ने बताया कि, वीजीजीटीएस-२०१९ में १५०० से ज्यादा देश-विदेश और स्थानीय खरीददार हिस्सा ले ऐसी संभावना है। एमएएएमई और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम सहित के बड़े स्केल एन्टरप्राइजिस के बीच ज्यादा मजबूत हिस्सेदारी विकसित करने के लिए वेन्डर डेवलपमेन्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। खरीदकर्ता और विक्रेता के बीच आयोजित होने वाले इस बैठकों द्वारा २००० करोड़ रुपये की रकम के व्यापार की लेन-देन होने की संभावना है । इस प्रदर्शन में १.५ मीलियन वीजिटर्स और विश्व के विभिन्न १०० देशों के ३००० अंतर्राष्ट्रीय डेलिगेट्स उपस्थित रहे ऐसी अपेक्षा है।

अमरोली में ट्रान्सफोर्मर से कॉपर-ऑइल की चोरी

सूरत। शहर के अमरोली सायण रोड पर स्थित एक खेत में स्थित दक्षिण गुजरात बिजली कंपनी के खंभे पर से ट्रान्सफॉर्मर से ऑइल और कॉपर की चोरी की गई। अमरोली पुलिस सूत्रों अनुसार सायण रोड वल्लभ सवाणी के खेत में दक्षिण गुजरात बिजली बिज कंपनी के बिजली का खंभा स्थित है। इस दौरान अज्ञातों ने खंभे पर से ट्रान्सफॉर्मर नीचे गिराकर उसमें से एल्युमिनियम की कॉपर और ऑइल समेत 16320 रुपए के सामान की चोरी की और भाग गए। इस संबंध में कंपनी के तनेश किकु चौधरी (निवा. निशाल फलियुं, खुशालपुरा, व्यारा) की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)